भाकअनुसं
कदन्न (पोषक अनाज)
समाचार पत्र
हैदराबाद * सोलापुर * वरंगल
क्रम सं. 232 फरवरी, 2023
भाकृअनुप—भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030, तेलंगाना, भारत

डॉ. तारा सत्यवती - भाश्रीअनुसं की नए निदेशक

डॉ. सी. तारा सत्यवती, परियोजना समन्वयक - बाजरा ने कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की संस्तुति पर भाकृअनुप के कार्यालय आदेश के अनुसार 16 फरवरी, 2023 को भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न (कदन्न) अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक पद पर कार्यभार ग्रहण किया है। अब से, भाश्रीअनुसं एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित सभी आधिकारिक पत्राचार कृपया डॉ. तारा सत्यवती को संबोधित करें।

उनकी ई-मेल आईडी tarasatyavathi@millets.res.in तथा director.millets@icar.gov.in है।

भाश्रीअनुसं एवं ज्वार तथा लघु श्रीअन्न पर अभासअनुप परिवार संस्थान के नए निदेशक डॉ. तारा सत्यवती का हार्दिक स्वागत करता है। श्रीअन्न परिवार उनके हर भावी कदम के लिए शुभकामनाएं देता है और आशा करता है कि उनके उत्साह व दूरदर्शिता से संस्थान नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगा।

कृ.अनु.कें, वाशिम में भारत के विशालतम ज्वार जननद्रव्य लक्षण-वर्णन का अनुवीक्षण

भाकृअनुप - भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं) कृषि अनुसंधान केंद्र, वाशिम में सीआरपी-एबी के अंतर्गत भारत के विशालतम जननद्रव्य लक्षण-वर्णन कार्यक्रम के समन्वय हेतु सहयोगी केंद्र है। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा इस कार्यक्रम के मानव संसाधन हेतु समन्वय, तकनीकी मार्गदर्शन व प्रशिक्षण जारी है। भाश्रीअनुसं से वैज्ञानिकों ने 1-4 फरवरी, 2023 के दौरान प्रयोगों का अनुवीक्षण किया तथा युवा पेशेवरों व प्रक्षेत्र सहायकों को पत्तियों की संख्या, पत्तियों की लंबाई एवं पत्तियों की चौड़ाई विशेषताओं पर आंकडे संग्रहण हेतु निदेश दिए। अनुवीक्षण के दौरान परागकोश के रंग जैसे ग्रे, नारंगी, लाल, पीला आदि में परिवर्तनशीलता तथा पत्ती के मध्यशिरा रंग में परिवर्तनशीलता जैसे सफेद, रंगहीन, फीका हरा, हल्का हरा और पीला दर्ज की गई। ज्वार की विभिन्न श्रेणियों जैसे - पॉप ज्वार, अनाज ज्वार, द्विउद्देश्य, ज्वार, चारा ज्वार तथा उच्च जैवभार ज्वार का भी अनुवीक्षण किया गया तथा आंकड़े एकत्र किए जा रहे हैं।

कृ.अनु.कें, वाशिम में ज्वार जननद्रव्य प्रक्षेत्र दिवस की योजना

भाकृअनुप - भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं) कृषि अनुसंधान केंद्र, वाशिम में सीआरपी-एबी के अंतर्गत भारत के विशालतम जननद्रव्य लक्षण-वर्णन कार्यक्रम के समन्वय हेतु सहयोगी केंद्र है। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा इस कार्यक्रम के मानव संसाधन हेतु समन्वय, तकनीकी मार्गदर्शन व प्रशिक्षण जारी है। भाश्रीअनुसं से वैज्ञानिकों ने 19-20 फरवरी, 2023 को प्रयोगों का अनुवीक्षण किया तथा युवा पेशेवरों, प्रक्षेत्र सहायकों व कुशल सहायकों को सभी 9 खड़ों में सभी लुप्त आंकड़े संग्रह करने हेतु निदेश दिए। स्टाफ को पौध लंबाई आंकडे संग्रहण पर प्रशिक्षित किया गया तथा खंड-1 का कार्य पूर्ण कर लिया गया। डॉ. जी पी सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-रापाआसंब्यू के साथ डेटा संग्रह की प्रगति एवं कटाई तथा कटाई उपरांत डेटा संग्रह की योजना पर भी चर्चा की गई। आगंतुकों के समक्ष मोबाइल फिल्ड बुक ऐप के उपयोग द्वारा डेटा संग्रह का प्रदर्शन भी किया गया। आगामी 13 मार्च 2023 को ज्वार जननद्रव्य प्रक्षेत्र दिवस के आयोजन संबंधी योजनाओं पर डॉ. शरद आर गदख, कुलपति, डॉ. पीडीकेवी-अकोला; डॉ. वी के खर्चे, अनुसंधान निदेशक, डॉ. पीडीकेवी-अकोला; डॉ. जी पी सिंह, निदेशक, निदेशक, भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली; डॉ. आर बी घोराडे, वनस्पति विज्ञान प्रमुख, डॉ. पीडीकेवी-अकोला; डॉ. सुशील पांडे, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली; तथा डॉ. सुनील गोमाशे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-रापाआसंब्यू-क्षेकें--अकोला के साथ विचार-विमर्श किया गया।

भाश्रीअनुसं के द्वारा प्रवर्तित श्रीअन्न किउसं में अतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षार्थियों का दौरा

सत्रह देशों का प्रतिनिधित्व कर रहे 27 प्रतिभागियों ने 22 फरवरी 2023 को हुलसूर महिला किसान श्रीअन्न उत्पादक कंपनी, हुलसूर, तथा कर्नाटक के बीदर ज़िले के ग्राम विश्वास किउसं का दौरा किया। केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत भाकृअनुप - भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा प्रवर्तित किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), लघु किसान कृषि व्यवसाय संघ (एसएफएसी), नई दिल्ली के माध्यम से कार्यान्वित किया गया। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल - भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद में 13-27 फरवरी 2023 के दौरान "कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के संवर्धन

संबंधी मुद्दे और चुनौतियां" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में इस ज्ञानवर्धक दौरे का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय अधिकारियों ने नाइजर, सूडान, दक्षिण सूडान, युगांडा, नेपाल, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, तंजानिया, उजबेकिस्तान, मोजाम्बिक, अजरबैजान, बांग्लादेश, घाना, इथियोपिया, दक्षिण अफ्रीका और जाम्बिया का प्रतिनिधित्व किया। अपनी यात्रा के दौरान, अधिकारियों ने श्रीअन्न बीओडी, किसानों, प्रसंस्कर्ताओं तथा उपभोक्ताओं के साथ श्रीअन्न के उपयोग एवं प्रचार के संबंध में चर्चाएं की। इस अवसर पर संबोधित करते हुए, मैनेज के निदेशक डॉ. के सी गुम्मागोलमथ ने विभिन्न देशों के परस्पर संबंध और सहयोग स्थापित करने के लिए आईटीईसी कार्यक्रम के महत्व की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप - भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष 2023 मनाने के लिए संस्थान द्वारा नियोजित गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक तथा किउसं परियोजना के प्रधान अन्वेषक ने अपने स्वागत भाषण में, महिला किसानों की आय बढ़ाने में श्रीअन्न किउसं की गतिविधियों का उल्लेख किया तथा सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। अंतर्राष्ट्रीय अधिकारियों ने श्री अशोक सज्जन, श्री कैलाश कोरिशेट्टी, सुश्री उज्जवला द्वारा तैयार रागी के लड्डू, ज्वार मुरुकु, ज्वार हुरुदा जैसे श्रीअन्न के स्नैक्स का आस्वादन किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय ज्ञानवर्धक यात्रा के दौरान स्थानीय प्रतिनिधि, प्रशासक, किसान, कृषि अधिकारी एवं मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

श्रीअन्न पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 के उपलक्ष्य में, डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी एंड सेंटर फॉर रिसर्च, सेंट टेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम के द्वारा टेरेसियन कॉलेज, मैसूरु; विमला कॉलेज, त्रिशूर; सेंट पीटर कॉलेज, कोलेनचेरी और न्यूमैन कॉलेज, थोडुपुझाके के वनस्पति विज्ञान विभागों के सहयोग से 2 फरवरी 2023 को मिलेट्स पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। संकाय और छात्रों के लाभ के लिए इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। डॉ अल्फोंसा विजया जोसेफ, प्रधानाचार्य ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और वेबिनार के उद्देश्य के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ. लिज़ा जैकब, विभागाध्यक्ष ने कृषि और मानव आहार में श्रीअन्न के महत्व एवं छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. के हरिप्रसन्ना, प्रधान वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने श्रीअन्न का परिचय और भाश्रीअनुसं के द्वारा श्रीअन्न के क्षेत्र में संचालित विभिन्न गतिविधियां जैसे - मूल्य-संवर्धन, मूल्य शृंखला एवं उद्यमिता विकास, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के विविधीकरण, ब्रांडिंग, व्यंजन निर्माण, एन-ग्रेन, नेस्ट कार्यक्रम, श्रीअन्न संग रसोई तथा न्यूट्रीहब के द्वारा नवोद्यम उज्ज्वलन कार्यक्रम शामिल अनुसंधान व विकास की संभावनाओं पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। डॉ. वी एम मालती, वैज्ञानिक ने श्रीअन्न के पोषण संबंधी गुणों तथा स्वास्थ्य लाभों पर आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने श्रीअन्न के नियमित सेवन के स्वास्थ्य लाभ, जैसे हाइपरलिपिडेमिया, मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रेडिकल सफाई आदि के प्रबंधन में श्रीअन्न में उपस्थित प्रत्येक पोषक तत्वों के बारे में बताया। डॉ. चांदनी वी के ने उत्कृष्ट व्याख्यान देने के लिए भाश्रीअनुसं के विषय विशेषज्ञों को धन्यवाद दिया तथा श्रीअन्न को बढ़ावा देने के लिए भाश्रीअनुसं के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। वेबिनार का समन्वय सेंट टेरेसा कॉलेज की सुश्री निशिता आई के, सुश्री मेरिन एलिस जॉर्ज और डॉ. चांदनी वी के ने किया।

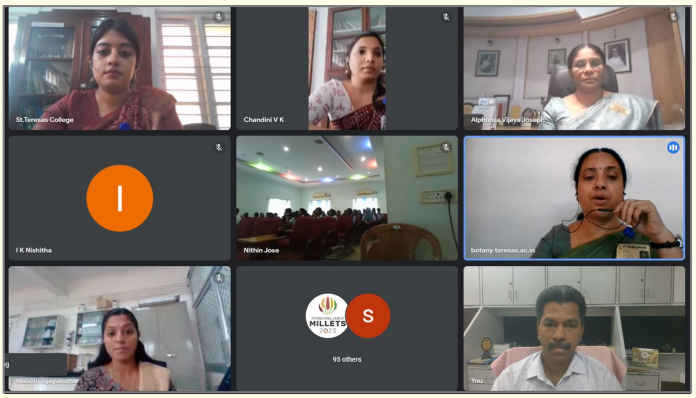

श्री अन्न महोत्सव कन्नौज में भाश्रीअनुसं की सहभागिता

भाकृअनुप - भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान ने 15-17 फरवरी, 2023 के दौरान उत्तर प्रदेश के तिर्वा गांव, कन्नौज में आयोजित "श्री अन्न महोत्सव" नामक तीन दिवसीय किसान मेले में भाग लिया। उक्त भव्य कार्यक्रम कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के द्वारा आयोजित किया गया। डॉ. के वी राघवेंद्र राव, मुख्य तकनीकी अधिकारी, और श्री एच एस गावली, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. राघवेंद्र राव ने किसानों को संबोधित करते हुए भाश्रीअनुसं में संचालित अनुसंधान गतिविधियों, मूलभूत श्रीअन्न कृषि क्रियाओं, श्रीअन्न के विभिन्न मूल्य वर्धित उत्पादों तथा उनके स्वास्थ्य लाभ के बारे में संक्षेप में बताया। भाश्रीअनुसं, न्यूट्रीहब में विकसित ईटराइट ब्रांड के नाम से श्रीअन्न के मूल्य वर्धित उत्पादों को प्रदर्शित करते हुए एक स्टाल भी लगाया गया। इस तीन दिवसीय आयोजन में किसानों, छात्रों और उद्यमियों सहित लगभग 1500 लोगों ने भाग लिया। श्री बलदेव सिंह औलख, माननीय कृषि राज्य मंत्री, उ.प्र. श्री सुब्रत पाठक, सांसद, श्री कैलाश सिंह राजपूत, कन्नौज ज़िले के तिरवा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक, जिलाधीश ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और श्रीअन्न स्टाल का दौरा किया। डॉ. जी सी कटियार, उप निदेशक-कृषि, कन्नौज ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

सूरजकुंड मेला, फरीदाबाद में श्रीअन्न स्टाल

भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न (कदन्न) अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के प्रचार के रूप में सूरजकुंड मेले, फरिदाबाद में एक श्री अन्न

स्टाल स्थापित करके "श्री अन्न" के बेहतर उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्य वर्धन प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। केंद्रीय पर्यटन, कपड़ा (विकास आयुक्त, हथकरघा और हस्तशिल्प,) विदेश व सांस्कृतिक मंत्रालय, आईसीसीआर और हरियाणा पर्यटन द्वारा संयुक्त रूप से 3-19 फरवरी, 2023 के दौरान मेला आयोजित किया गया। मीडिया अधिकारियों के अलावा 5000 से अधिक लोगों ने स्टॉल का दौरा किया, श्री अन्न उत्पादों का आस्वादन किया तथा संस्थान द्वारा विकसित उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की सराहना की। कई लोगों ने ईटराइट उत्पाद खरीदने में गहरी रुचि दर्शायी, इसके अलावा कई लोग स्टार्टअप एवं व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन हेतु तत्पर थे। दैनिक भास्कर जैसे राष्ट्रीय समाचार पत्र ने भाश्रीअनुसं, हैदराबाद स्टॉल को अच्छा कवरेज दिया। इस स्टॉल का आयोजन डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) तथा श्री अमृत राज संतोष, कुशल सहायक कर्मचारी, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा किया गया।

भाकृअनुप, नई दिल्ली के उच्चाधिकारियों के द्वारा संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों की समीक्षा बैठक

डॉ. संजय बोकोलिया, निदेशक, जीएसी तथा राजभाषा, श्री गिरीश भट्ट, निदेशक, फसल विज्ञान तथा श्री राम दयाल शर्मा, उप निदेशक (राजभाषा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा 15 फरवरी, 2023 को भाकृअनुप– राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद में भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में संपन्न राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों की समीक्षा की गई। श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने उन्हें संस्थान में संपन्न राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। भाकृअनुप से आए निरीक्षण दल ने संस्थान में संपन्न राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों की सराहना की। डॉ. महेश कुमार ने इस निरीक्षण का समन्वय किया।

माननीय प्रधानमंत्री का संबोधन

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के द्वारा 24 फरवरी, 2023 को हितधारकों के साथ "अनुसंधान तथा प्रौद्योगिकी आधारित समग्र हस्तक्षेप के माध्यम से मिशन दृष्टिकोण में सतत कृषि (समर्थ)" नामक बजटोत्तर वेबिनार आयोजित किया गया। भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। बजट घोषणा 2023 के केंद्रित कार्यान्वयन पर चर्चा हेतु कुल 6 सत्र आयोजित किए गए।

वित्तीय प्रबंधन पर व्याख्यान

सुश्री कंचु राजराजेश्वरी देवी, वरिष्ठ प्रबंधक, कोटक प्राइवेट वेल्थ ने 06 फरवरी, 2023 को भाकृअनुप - भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में वित्तीय प्रबंधन पर एक अतिथि व्याख्यान दिया। व्याख्यान में निवेश योजना, संपत्ति विविधीकरण, कर बचत, धन सृजन, सेवानिवृत्ति योजना जैसे विभिन्न वित्तीय पहलुओं को शामिल किया गया तथा वर्तमान बाजार प्रवृत्तियां जैसे - इक्विटी, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड, गोल्ड बांड आदि पर भी चर्चा की गई। वैज्ञानिक, प्रशासनिक और तकनीकी सहित भाश्रीअनुसं के सभी कर्मचारियों ने व्याख्यान में भाग लिया एवं निवेश हेतु उपयुक्त योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उक्त कार्यक्रम डॉ. अमसिद्ध, डॉ. ए वी उमाकांत और डॉ. के बी आर एस विसारदा के द्वारा आयोजित किया गया।

व्याख्यान

डॉ. वी रवि कुमार, तकनीकी अधिकारी, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने राग्राविपंरासं, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद के द्वारा 07-09 फरवरी 2023 के दौरान "डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 के अंतर्गत आयोजित वाटरशेड के तहत "आजीविका वृद्धि और विविधीकरण" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभागियों को "महिलाओं के माध्यम से मूल्यवर्धन - श्रीअन्न आधारित रसोई और बेकिंग उत्पाद" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. वी रवि कुमार ने 14 फरवरी, 2023 को अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के द्वारा 30 से अधिक अफ्रीकी-एशियाई देशों के प्रतिभागियों के लिए आयोजित वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए श्रीअन्न पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में "श्रीअन्न मूल्यवर्धन - चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. श्रीविद्या एस, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान के द्वारा मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से 2 फरवरी - 16 फरवरी 2023 के दौरान "श्रीअन्न पर प्रमाणित कृषि सलाहकार" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में 10 फरवरी, 2023 को मैनेज, हैदराबाद में प्रशिक्षार्थियों को "जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीली : श्रीअन्न फसलें" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने निम्नानुसार व्याख्यान शृंखला दी : मैनेज में 7 फरवरी 2023 को "श्रीअन्न पर प्रमाणित कृषि

सलाहकार" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में "श्रीअन्न आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन" पर; भाकृअनुप-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीपीजीआर), नई दिल्ली द्वारा 08 फरवरी 2023 को आयोजित आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीजीआर प्रबंधन का डिजिटलीकरण पर; स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान विभाग, सरकारी कला महाविद्यालय, भरथियार विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर के द्वारा 14 फरवरी 2023 को श्रीअन्न को लोकप्रिय बनाने पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "श्रीअन्न उपयोगिता हेतु जागरूकता", तथा मैनेज के सहयोग से 15 फरवरी 2023 को "बाज़ार संचालित श्रीअन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकियां" पर आयोजित आभासी प्रशिक्षण में विस्तार प्रबंधन में डेटा संग्रह का डिजिटलीकरण पर।

डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान विभाग, सरकारी कला महाविद्यालय, भरथियार विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर के द्वारा 14 फरवरी 2023 को श्रीअन्न को लोकप्रिय बनाने पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "श्रीअन्न उपयोगिता हेतु जागरूकता" पर आधार व्याख्यान दिया। उन्होंने राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान श्रीअन्न प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया तथा छात्रों द्वारा तैयार किए गए श्रीअन्न के 50 पारंपरिक तथा आधुनिक खाद्य पदार्थों में से श्रेष्ठ व्यंजन के चयनार्थ निर्णायक के रूप में भी सेवाएं प्रदान की। उन्होंने एबीआई, टीएनएयू, कोयम्बतूर द्वारा समर्थित 5 श्रीअन्न उद्यमियों के साथ परस्पर विचार-विमर्श भी किया।

"नवोद्यम उज्ज्वलन" कार्यक्रम

भारत के 7 विभिन्न राज्यों अर्थात - पश्चिम बंगाल, हरियाणा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल व कर्नाटक से कुल 42 लोगों ने "नवोद्यम उज्ज्वलन" कार्यक्रम में भाग लिया। न्यूट्रीहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा इच्छुक उद्यमियों को प्रशिक्षण और अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 3 फरवरी, 2023 को इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को उत्कृष्टता केंद्र और प्राथमिक तथा माध्यमिक प्रसंस्करण इकाइयों में मौजूदा प्रौद्योगिकियों के बारे में जानने का अवसर प्रदान किया गया। उन्हें न्यूट्रीहब और इसके कोहर्ट्स (एन-ग्रेन व नेस्ट) में नवोद्यम उष्मायन कार्यक्रम के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों ने नवोद्यमी तथा उद्यमिता के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं प्रायोगिक जानकारी प्राप्त की। विशेष रूप से नवोद्यम उष्मायन सत्र व्यावहारिक होता है और प्रतिभागियों को एक सफल व्यवसाय शुरू करने एवं उसे आगे बढ़ाने की प्रक्रिया के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

"श्रीअन्न संग रसोई"

भारत के 7 अलग-अलग राज्यों - पश्चिम बंगाल, हरियाणा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल और कर्नाटक से 21 लोगों ने हाल ही में "श्रीअन्न संग रसोई" कार्यक्रम में भाग लिया। न्यूट्रीहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा प्रतिभागियों को श्रीअन्न के स्वास्थ्य लाभों और श्रीअन्न-आधारित विभिन्न व्यंजन निर्माण की कला पर शिक्षित करने के उद्देश्य से 2 फरवरी, 2023 को इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। "श्रीअन्न संग रसोई" कार्यक्रम में, प्रतिभागियों ने मफिन, केक, बिस्कुट और अन्य व्यंजन शामिल विभिन्न श्रीअन्न-आधारित स्वादिष्ट व्यंजनों के निर्माण-विधि की जानकारी प्राप्त की।

रेडियो वार्ता

डॉ. जिनू जैकब, वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने 21 फरवरी, 2023 को सुबह 8.30 बजे आकाशवाणी, कोच्चि, एफएम-102.3 में 'श्रीअन्न का परिचय और उनके पोषण संबंधी लाभ' विषय पर एक रेडियो वार्तालाप में भाग लिया। यह श्री बालनारायणन के द्वारा संचालित *'अद्भुत चेरुधनयांगलूडे अंतरराष्ट्र वर्श'* शृंखला का एक एपिसोड था।

आगंतुक

त.कृ.विवि, कोयंबतूर से गणमान्य आगंतुक

डॉ. ई. सोमसुंदरम, निदेशक, कृषि व्यवसाय विकास निदेशालय, तथा डॉ. एन सेंथिल, डीन, स्कूल ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज व निदेशक, सेंटर ऑफ प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर ने श्रीअन्न हेतु संचालित अनुसंधान गतिविधियों, प्रसंस्करण एवं मूल्य-संवर्धन, व्यवसाय ऊष्मायन, उद्यमशीलता तथा उपभोक्ताओं में श्रीअन्न के प्रचार हेतु संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समझने के प्रयोजन से 13 फरवरी 2023 को श्रीअन्न प्रसंस्करण और मूल्य-संवर्धन हेतु उत्कृष्टता केंद्र, न्यूट्रिहब एवं अन्य प्रसंस्करण सुविधाओं का दौरा किया। डॉ. जे. स्टेनली, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने उत्कृष्टता केंद्र, न्यूट्रीहब और सामान्य सुविधा केंद्र में संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने श्रीअन्न के विविध खाद्य उत्पादों और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का भी अवलोकन किया जो व्यावसायीकरण के लिए विकसित और मानकीकृत हैं। डॉ. पी राजेन् द्रकुमार, प्रधान वैज्ञानिक (जैव प्रौद्योगिकी) ने उक्त दौरे का समन्वय किया।

केरल के छात्र

केरल कृषि विश्वविद्यालय (केएयू), वेल्लयानी, तिरुवनंतपुरम के अंतर्गत कृषि कॉलेज के शिक्षण संकाय के साथ 30 कृषि डिप्लोमा छात्रों ने अपने शैक्षिक दौरे के एक भाग के रूप में 02 फरवरी, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. दीपिका, वैज्ञानिक ने छात्रों को श्रीअन्न की विभिन्न किस्मों के बारे में बताया तथा प्रक्षेत्र दौरे में भी उनकी सहायता की। आगंतुकों को विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा उन्हें न्यूट्रीहब का दौरा भी कराया गया तथा विभिन्न मूल्य वर्धित उत्पादों, किउसं और नवोद्यमी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई।

कृषि महाविद्यालय, अंबालावायल, वायनाड, केरल से स्नातक कृषि चौथे वर्ष में अध्ययनरत 60 छात्रों तथा 4 शिक्षकों के एक दल ने 27 जनवरी, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। यह दौरा उनके अखिल भारतीय अध्ययन दौरे का एक हिस्सा थी। उन्हें हमारे संस्थान के अधिदेश, अनुसंधान

कार्यक्रमों और श्रीअन्न के स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया गया। उन्होंने संस्थान के अनुसंधान क्षेत्रों का दौरा भी किया। डॉ जिनू जैकब ने इस दौरे का समन्वय किया।

तमिलनाडु से छात्र

कृष्णा कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, मदुरै से 4 संकाय सदस्यों के साथ स्नातक (कृषि) के 86 छात्रों के एक समूह ने 23 फरवरी, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. वी एम मालती तथा डॉ. एस श्रीविद्या के द्वारा छात्रों को विभिन्न प्रकार के श्रीअन्न, उनके पोषण मूल्य और स्वास्थ्य लाभ, उत्पादन पहलुओं और भाश्रीअनुसं में संचालित विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। छात्रों ने श्रीअन्न प्रदर्शन प्रक्षेत्र का दौरा भी किया और श्रीअन्न की खेती के कृषि संबंधी पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात उन्होंने भाश्रीअनुसं में श्रीअन्न प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन सुविधाओं का दौरा किया। डॉ. ए. श्रीनिवास ने न्यूट्रीहब में श्रीअन्न के प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पहलुओं और व्यावसाय उष्मायन कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। डॉ. एस श्रीविद्या, डॉ. वी एम मालती और डॉ. ए श्रीनिवास ने उक्त दौरे का समन्वय किया।

कृषि प्रौद्योगिकी कॉलेज, थेनी, तमिलनाडु के तीन स्टाफ सदस्यों के साथ स्नातक (ऑनर्स) कृषि के कुल 118 छात्रों ने अखिल भारतीय दौरे के हिस्से के रूप में 10 फरवरी, 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस दौरे का समन्वय डॉ. श्रीविद्या ने किया और खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में श्रीअन्न की भूमिका, उनका जलवायु लचीलापन, उनके उत्पादन में हालिया विकास और उनकी प्रबंधन तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान की, जो किसानों को श्रीअन्न की खेती करने व फिर से अपने दैनिक आहार में शामिल करने में सहायता करेगी। छात्रों ने श्रीअन्न प्रदर्शन भूखंडों और न्यूट्रीहब का दौरा किया और भाश्रीअनुसं में श्रीअन्न प्रसंस्करण और मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकी सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

डॉन बॉस्को कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, सगायथोत्तम, तमिलनाडु से स्नातक (ऑनर्स) कृषि के लगभग 120 छात्रों ने अपने अखिल भारतीय अध्ययन दौरे कार्यक्रम के अंतर्गत 18 फरवरी, 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. श्रीविद्या ने उन्हें श्रीअन्न के पोषण और स्वास्थ्य लाभ, जलवायु लचीलापन में श्रीअन्न की भूमिका, श्रीअन्न की फसल उत्पादन पद्धतियां, उनकी उन्नत किस्मों और उच्च उपज प्राप्त करने के लिए उनकी खेती पद्धतियों के बारे में जानकारी प्रदान की और छात्रों के प्रक्षेत्र प्रदर्शन दौरे को भी सुकर बनाया। डॉ. श्रीनिवास ने भाश्रीअनुसं, न्यूट्रीहब में स्थापित श्रीअन्न की प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन सुविधाओं के बारे में बताया।

टीएनएयू, एसी और आरआई, कुदिमियानमलाई, तमिलनाडु से स्नातक कृषि के 96 छात्रों एक समूह ने अपने अखिल भारतीय अध्ययन दौरे कार्यक्रम के अंतर्गत 27 फरवरी 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. श्रीविद्या ने इस दौरे का समन्वय किया और संस्थान के अधिदेश तथा श्रीअन्न की भूमिका के बारे में जानकारी दी तथा छात्रों के प्रक्षेत्र प्रदर्शन दौरे के भी सुकर बनाया। छात्रों ने न्यूट्रीहब का भी दौरा किया, वहां सुश्री गौतमी ने सीओई तथा न्यूट्रीहब में संचालित प्रसंस्करण सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

तेलंगाना से छात्र

प्रोजतेराकृविवि, हैदराबाद से आनुवंशिकी और पादप प्रजनन, बीज प्रौद्योगिकी और पादप शरीर विज्ञान के 15 स्नातकोत्तर छात्रों के एक समूह ने संस्थान में आयोजित किए जा रहे प्रजनन कार्यक्रमों के व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए 24 फरवरी 2023 को भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न (कदन्न) अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। दौरे का उद्देश्य श्रीअन्न सुधार में अपनाई जा रही विभिन्न प्रजनन विधियों से छात्रों को अवगत कराना था। डॉ. अरुणा रेड्डी, डॉ संजना रेड्डी और डॉ कर्णम वेंकटेश ने छात्रों के साथ परस्पर वार्तालाप किया और प्रक्षेत्र में अपने-अपने प्रयोग दिखाए। समग्र रूप से यह दौरा अत्यधिक ज्ञानवर्धक रहा तथा छात्रों को भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान में आयोजित किए जा रहे प्रजनन कार्यक्रमों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। छात्रों ने विभिन्न प्रजनन विधियों, चयन मानदंड और प्रजनन उद्देश्यों के बारे में बहुमूल्य ज्ञान प्राप्त किया। डॉ. कर्णम वेंकटेश ने इस दौरे का समन्वय किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 के अवसर पर भारत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, इब्राहिमपटनम और बी वी राजू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नरसापुर से कुल 53 छात्रों ने 28 फरवरी, 2023 को भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। संस्कृति फाउंडेशन ने इस दौरे के समन्वय और इसमें शामिल सभी लोगों को एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने में सहायता की। दौरे के दौरान, छात्रों को श्रीअन्न जीनबैंक में संरक्षित श्रीअन्न के जननद्रव्य की विविधता दिखाई गई। छात्रों ने श्रीअन्न मूल्यवर्धन, व्यावसायीकरण और श्रीअन्न उद्यमिता विकास में प्रगति देखने हेतु न्यूट्रीहब का दौरा भी किया। उन्होंने श्रीअन्न के प्रायोगिक क्षेत्र का भी दौरा किया और भारत में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के श्रीअन्न से परिचित हुए। समग्र रूप से, छात्रों को संस्थान में संचालित शोध संबंधी विशिष्ट जानकारी प्रदान की गई। डॉ. एम. एलंगोवन और डॉ. के वेंकटेश कॉलेज ने एस दौरे का समन्वय किया।

आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

क्र.सं	अधिकारी का नाम	सहभागिता	प्रकार	कार्यक्रम स्थल	तिथियां
1	पी मुकेश	इम्पैक्टफुल आईसीटी एप्पलिकेशंस एंड टेक्नोलॉजिस इन एग्रिकल्चर	प्र	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	6-10 फरवरी, 2023
2	ऋतु दलाल तथा महेश कुमार	भाकृअनुप के उच्चाधिकारियों के द्वारा भाश्रीअनुसंस हैदराबाद के राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों की समीक्षा बैठक	बै	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	15 फरवरी, 2023

इस माह का विचार

श्री अन्न यानी देश के छोटे किसानों के समृद्धि का द्वार है। श्री अन्न यानी देश के करोड़ों लोगों के पोषण का कर्णधार है। श्री अन्न यानी देश के आदिवासी समाज का सत्कार है। श्री अन्न यानी कम पानी में ज्यादा फसल की पैदावार है। श्री अन्न यानी केमिकल मुक्त खेती का बड़ा आधार है। श्री अन्न यानी क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने में मददगार

— श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. के वी राघवेन्द्र राव,
डॉ. जिनू जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

मुख्यालय - राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053
दूरभाष : 040-24599300
फैक्स : 040-24599304
ई-मेल : millets.icar@nic.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

रबी ज्वार केंद्र (भाकअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-65, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456
फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला, वरंगल
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय कदन्नअनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल